

**सभी देशवासियों को
होली की
हार्दिक शुभकामनाएं**



हरी किशन जिंदल

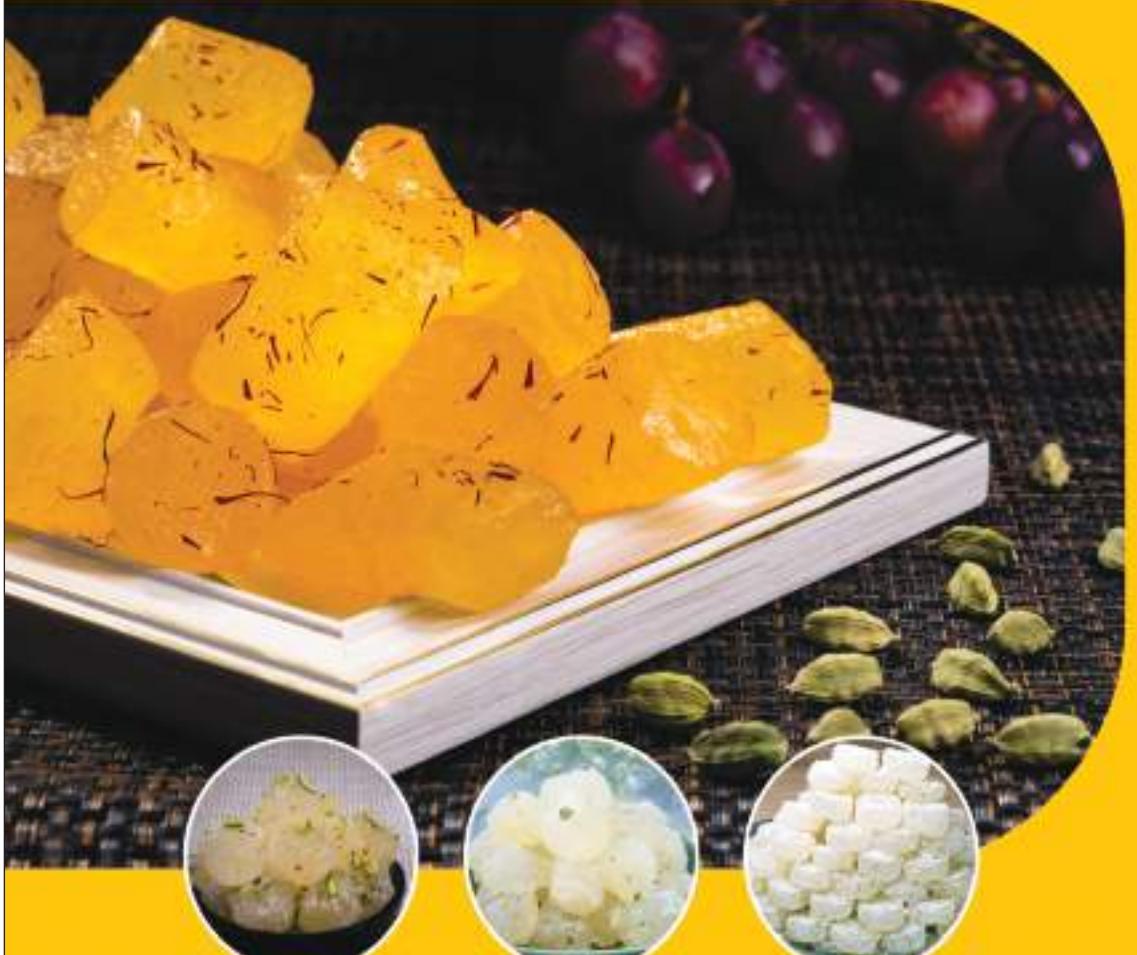
पूर्व जिला अध्यक्ष, आदर्श नगर जिला कांग्रेस कमेटी

होली की हार्दिक शुभकामनाएं



**मोहन लाल
पेठे वाले**

नितिन गोयल
9891971630
कार्यालय सचिव, जिला केशवपुरम भाजपा दिल्ली प्रदेश



I-28, महेन्द्रा पार्क, आदर्श नगर, दिल्ली-110033

**सभी देशवासियों को
होली की
हार्दिक शुभकामनाएं**



कृष्ण बंसल

प्रधान : अग्रवाल सेवा संघ ट्रस्ट (पंजी.) नरेला
प्रधान : नरेला अनाज मंडी (व्यापार मंडल)
वरिष्ठ उपप्रधान : Federation of all India व्यापार मंडल (पंजी.) दिल्ली

BANSAL GROUP

**सभी देशवासियों को
होली की
हार्दिक शुभकामनाएं**



हेमराज बंसल
चेयरमैन
प्रधान, आर्य समाज नरेला



गुरेज बंसल गुरेज बंसल राजेण बंसल

BANSAL GARMENTS
147, MAIN BAZAR, NARELA, DELHI
Contact: 9810214612

BANSAL GARMENTS
145, MAIN BAZAR, NARELA, DELHI
Contact: 9899984599

BANSAL KITCHEN CARE
3E, ALIPUR ROAD, NEAR BTW,
Contact: 9811311355

BANSAL TEXTILES
166/1, MAIN, NEAR DELHI
Contact: 9958673226, 9971652242






संपादकीय

बुनियादी छांचे के लाभों
का विस्तार

मोदी सरकार ने निश्चित रूप से आवास, शैक्षणिक, बिजली और बैंकिंग जैसे विभिन्न बुनियादी छांचे के लाभों के कवरज का विस्तार करने में निवेश किया है, जिसे कुछ लोगों ने 'भारत के दक्षिणांश का नया कल्याणवाट' कहा है। लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि इन निवेशों से बाजार में क्रय शक्ति में सुधार हुआ है या नहीं। इसके अलावा, हाल के बीचों में किसी भी एनएसेसआ उपभोग सर्वेक्षण के अभाव में, वह स्पष्ट नहीं है कि भारत ने अत्यधिक गरीबी को कम करने में किसी प्रगति की है।

वर्ल्ड ऐफोर्म इंडेक्स के अनुसार, भारत ग्लोबल हैंडेंक्स में 142 देशों में से 126वें स्थान पर है, जबकि वर्ल्ड इनडिलटी लैब की रिपोर्ट में कहा गया है कि मोदी शासन के तहत भारत में असमानता उच्चतम ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गई है, हालांकि हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसे उभरता-ओर विकसित होता हुआ भारत बताते हैं, और 2047 तक विकसित भारत की गारंटी दे रहे हैं, जिसमें उनको भी काफी कुछ मिलेगा जिसे अब तक नहीं मिला है। वर्ल्ड इनडिलटी लैब द्वारा लिखित भारतीय दृष्टिकोण में स्पष्ट है कि भारत ने अत्यधिक गरीबी को कम करने में किसी प्रगति की है।

वर्ल्ड ऐफोर्म इंडेक्स के अनुसार, भारत ग्लोबल हैंडेंक्स में 142 देशों में से 126वें स्थान पर है, जबकि वर्ल्ड इनडिलटी लैब की रिपोर्ट में कहा गया है कि मोदी शासन के तहत भारत में असमानता उच्चतम ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गई है, हालांकि हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसे उभरता-ओर विकसित होता हुआ भारत बताते हैं, और 2047 तक विकसित भारत की गारंटी दे रहे हैं, जिसमें उनको भी काफी कुछ मिलेगा जिसे अब तक नहीं मिला है। वर्ल्ड इनडिलटी लैब द्वारा लिखित भारतीय दृष्टिकोण में स्पष्ट है कि भारत ने अत्यधिक गरीबी को कम करने में किसी प्रगति की है।

18 मार्च को नरेंद्र मोदी तेलंगाना, कर्नाटक और तमिलनाडु के द्वारा पर थे। तेलंगाना के जगतियाल में उहौने कहा कि विषयक कहता है कि 'उसकी लड़ाई शक्ति के खिलाफ है। मेरे लिए तो हर मां - बेटी शक्ति का रूप है। मैं इनको शक्ति के रूप में पूजता हूं और इनकी रक्षा के लिए जान की बाजी लगा द्वारा'। मोदी जब ये बात कह रहे थे कि उसकी लड़ाई शक्ति का रूप है। मैं इनको शक्ति के रूप में पूजता हूं और इनकी रक्षा के लिए जान की बाजी लगा द्वारा।

महिला पहलवानों को भूल गए थे जिनका यौन उत्पीड़न करने वाला भाजपा का सांसद आज भी उनकी पार्टी में सुशोभित है?

प्रो. रविकांत

“ मेरी लड़ाई इसी शक्ति के खिलाफ है। पूजीवादी और सामन्तवादी ताकतों के खिलाफ मैं लड़ रहा हूं। लेकिन नरेंद्र मोदी ने बड़ी होशियारी से राहुल गांधी के बिहारी शक्ति के खिलाफ मैं लड़ रहा हूं। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समापन के बाद 17 मार्च को मुंबई के शिवाजी पार्क में कांग्रेस पार्टी की रैली हुई। रैली में शरद पवार, उद्धव ठाकरे, फारूक अब्दुल्ला, महबूबा मुस्ते और जयश्री यादव जैसे तमाम प्रतिष्ठितों के नेता एकजुट हुए। राहुल गांधी की यात्रा और देश की सियासत पर बारी-बारी से सबने बात रखी। ऐसे समय में जब विषयकी नेताओं और लोगों पर सत्ता का बुलडोजर चल रहा है, देश राहुल गांधी की तरफ देख रहा है। जब लोकतंत्र और सविधान की सारी संस्थाएं एक-एक करके ढहाई जा रही हैं, ऐसे में सड़क का संघर्ष है 'भारत के विचार' की रक्षा कर सकता है। जैसे आजादी के आदीलन में गांधी, नेहरू, पटेल और अंबेडकर के साथ सड़क पर एकजुट हो जाएंगे। राहुल गांधी की यात्रा और देश की संविधान आपको बात रखनी है।

18 मार्च को नरेंद्र मोदी तेलंगाना, कर्नाटक और तमिलनाडु के द्वारा पर थे। तेलंगाना के जगतियाल में उहौने कहा कि विषयक कहता है कि 'उसकी लड़ाई शक्ति के खिलाफ है। मेरे लिए तो हर मां - बेटी शक्ति का रूप है। मैं इनको शक्ति के रूप में पूजता हूं और इनकी रक्षा के लिए जान की बाजी लगा द्वारा'। मोदी जब ये बात कह रहे थे कि उसकी लड़ाई शक्ति का रूप है। मैं इनको शक्ति के रूप में पूजता हूं और इनकी रक्षा के लिए जान की बाजी लगा द्वारा।

महिला पहलवानों को भूल गए थे जिनका यौन उत्पीड़न करने वाला भाजपा का सांसद आज भी उनकी पार्टी में सुशोभित है?

”

आसुरी शवित के मिटने का वक्त आ गया?



राहुल गांधी ने हिंदू धर्म का जिकर करते हुए कहा कि उसमें एक शक्ति होती है। हिंदू धर्म के मिथकों में आसुरी शक्ति का वर्णन है, जो अन्याय और अत्याचार करती है। इक ऐसी ही शक्ति नरेंद्र मोदी को चला रही है। मेरी पूजीवादी और सामन्तवादी ताकतों के खिलाफ मैं लड़ रहा हूं। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समापन के बाद 17 मार्च को मुंबई के शिवाजी पार्क में कांग्रेस पार्टी की रैली हुई। रैली में शरद पवार, उद्धव ठाकरे, फारूक अब्दुल्ला, महबूबा मुस्ते और जयश्री यादव जैसे तमाम प्रतिष्ठितों के नेता एकजुट हुए। राहुल गांधी की यात्रा और देश की सियासत पर बारी-बारी से सबने बात रखी। ऐसे समय में जब विषयकी नेताओं और लोगों पर सत्ता का बुलडोजर चल रहा है, देश राहुल गांधी की तरफ देख रहा है। जब लोकतंत्र और सविधान की सारी संस्थाएं एक-एक करके ढहाई जा रही हैं, ऐसे में सड़क का संघर्ष है 'भारत के विचार' की रक्षा कर सकता है। जैसे आजादी के आदीलन में गांधी, नेहरू, पटेल और अंबेडकर के साथ सड़क पर एकजुट हो जाएंगे। राहुल गांधी की यात्रा और देश की संविधान आपको बात रखनी है।

राहुल गांधी की यात्रा और देश की संविधान आपको बात रखनी है।

सरकार, विजली के संयंत्र से लेकर के कोयले की खदान, रेलवे, एयरपोर्ट और बंदरगाह, सब कुछ अडानी के कब्जे में नियन्त्रण करते हैं। पूजीवादी और सामन्तवादी ताकतों के खिलाफ मैं लड़ रहा हूं। जब लोकतंत्र और सविधान की सारी संस्थाएं एक-एक करके ढहाई जा रही हैं, ऐसे में सड़क का संघर्ष है 'भारत के विचार' की रक्षा कर सकता है। जैसे आजादी के आदीलन में गांधी, नेहरू, पटेल और अंबेडकर के साथ सड़क पर एकजुट हो जाएंगे। राहुल गांधी की यात्रा और देश की संविधान आपको बात रखनी है।

संचालित है। नौजवानों को धर्म की अफीमी चटाकर और छड़ा राष्ट्रवाद का कोयले की खदान, रेलवे, एयरपोर्ट और बंदरगाह, सब कुछ अडानी के कब्जे में नियन्त्रण करते हैं। जैसे आजादी के बदलाली और बेरोजगारी को अपनी नियन्त्रित और देश के लिए कुबानी के जर्मानीकी और एमएसपी के लिए सरकार के द्वारा किजिए जाने के लिए कोयले की दलील है कि उसके पास पैसा नहीं है। 5 द्विलियन इकॉनामी और अमीर और गरीब के बीच की खाड़ी लगातार चौड़ी होती जा रही है। आज किसान सड़क पर आदीलन करने के के लिए हिंदू धर्म के धर्मकर्ता के लिए ताकती के लिए कोयले की दलील है कि उसमें एक शक्ति होती है। हिंदू धर्म के मिथकों में आसुरी शक्ति का वर्णन है, जो अन्याय और अत्याचार करती है। एक ऐसी ही शक्ति नरेंद्र मोदी को चला रही है।

मेरी लड़ाई इसी शक्ति के खिलाफ है। पूजीवादी और सामन्तवादी ताकतों के खिलाफ मैं लड़ रहा हूं। लेकिन नरेंद्र मोदी ने बड़ी होशियारी से राहुल गांधी की बोकारी के बाप का विषयक विचार करते हैं। विषयक विचार के बाप का विषयक विचार करते हैं। राहुल गांधी की यात्रा और देश की संविधान आपको बात रखनी है।

मेरी लड़ाई इसी शक्ति के खिलाफ है। पूजीवादी और सामन्तवादी ताकतों के खिलाफ मैं लड़ रहा हूं। लेकिन नरेंद्र मोदी ने बड़ी होशियारी से राहुल गांधी की बोकारी के बाप का विषयक विचार करते हैं। विषयक विचार के बाप का विषयक विचार करते हैं। राहुल गांधी की यात्रा और देश की संविधान आपको बात रखनी है।

मेरी लड़ाई इसी शक्ति के खिलाफ है। पूजीवादी और सामन्तवादी ताकतों के खिलाफ मैं लड़ रहा हूं। लेकिन नरेंद्र मोदी ने बड़ी होशियारी से राहुल गांधी की बोकारी के बाप का विषयक विचार करते हैं। विषयक विचार के बाप का विषयक विचार करते हैं। राहुल गांधी की यात्रा और देश की संविधान आपको बात रखनी है।

मेरी लड़ाई इसी शक्ति के खिलाफ है। पूजीवादी और सामन्तवादी ताकतों के खिलाफ मैं लड़ रहा हूं। लेकिन नरेंद्र मोदी ने बड़ी होशियारी से राहुल गांधी की बोकारी के बाप का विषयक विचार करते हैं। विषयक विचार के बाप का विषयक विचार करते हैं। राहुल गांधी की यात्रा और देश की संविधान आपको बात रखनी है।

मेरी लड़ाई इसी शक्ति के खिलाफ है। पूजीवादी और सामन्तवादी ताकतों के खिलाफ मैं लड़ रहा हूं। लेकिन नरेंद्र मोदी ने बड़ी होशियारी से राहुल गांधी की बोकारी के बाप का विषयक विचार करते हैं। विषयक विचार के बाप का विषयक विचार करते हैं। राहुल गांधी की यात्रा और देश की संविधान आपको बात रखनी है।

मेरी लड़ाई इसी शक्ति के खिलाफ है। पूजीवादी और सामन्तवादी ताकतों के खिलाफ मैं लड़ रहा हूं। लेकिन नरेंद्र मोदी ने बड़ी ह

कभी जमुना तट पर राधा और कान्हा की टोली रासरंग में सराबोर नजर आती है, तो कभी, सरजू तट पर जनक दुलारी राम संग टेसू रंग से होली खेल रही हैं, उधर भोले शंकर ऐर उनके गण मसाने में ही भूत-भ्रूत संग होली का धमाल मचा रहे हैं। सब और होली के रंग विस्तर रहे हैं और कफुन की मादक धयार वह रही है। अवध काशी और द्वार जैसे अलग-अलग अंचलों की होली के विविध रंग अपनी छटा दिखेर रहे हैं....

होलीका में आहुति देने वाली सामग्रीया

होलिका दहन होने के बाद होलिका में जिन वस्तुओं की आहुति दी जाती है, उसमें कच्चे आम, नारियल, भूंदू या सप्तशान्त, तीनी के बने खिलोने, नई फसल का कुछ भाग है। सप्तशान्त है, गेहूँ, उड़द, मूँग, छना, जी, चावल और बस्तु।

सुख - समाधि मंत्र

विद्यासि सुरेण्ड्र व्रह्मणा शकरेण् च। अतस्त्वं पाहि मा देवी! भूति भूतिप्रदा भव ॥ होलिका पूजन के समय इस मन्त्र का उच्चारण करना चाहिए।

अल्पकृष्टा भयत्रस्ते- कृता त्वं होलि व्यालिया- अतस्या पूजयिथामि भूति-भूति प्रदायिनी-? इस मन्त्र का जप एक माला, तीन माला या छिर पांच माला विषयम सख्याके रूप में करना चाहिए।

होली के रंग का जन्म के संग

होली

का त्योहार कई पीराणिक गाथाओं से जुड़ा

हुआ है। इनमें कामदेव, प्रल्लाद और पूरना की कहानियां प्रमुख

हैं। प्रत्येक कहानी के अंत में सत्य की विजय होती है और राक्षसी प्रवृत्तियों का अंत होता है। कुछ लोग इस उत्सव का निवार भगवान कृष्ण से मानते हैं। राक्षसी पूजन एक सुंदर स्त्री का रूप धारण कर बालक कृष्ण के पास गई। वह उनको अपना जहरीला दृश्य विला कर मारना चाहती थी। दृश्य के साथ-साथ बालक कृष्ण ने उसके प्रति भी ते लिए। कहते हैं मृत्यु के प्रसात पूतना का शरीर तुम हो गया इसलिए ग्यारों ने उसका पुतला बना कर उत्ता डाला। मधुरा तब से होली का प्रमुख केंद्र है।

होली और राधा - कृष्ण का कथा

होली का त्योहार राधा और कृष्ण की पादन प्रेम कहानी से भी जुड़ा हुआ है। वसंत के सुंदर मौसम में एक-दूसरे पर रंग डालना उनकी लीला का एक भयंकरा गया है। वृद्धवन की होली राधा और कृष्ण के इसी रंग में डूबी हुई होती है। भगवान श्रीकृष्ण तो सावले थे, परंतु उनकी आत्मिक सखी राधा गोरवाणी की थी। इसलिए बालकृष्ण प्रकृति के इस अन्याय की शिकायत अपनी मां यशोदा से करते तथा इसका कारण जानने का प्रयत्न करते हैं। एक दिन यशोदा ने श्रीकृष्ण को यह सुनाया दिया कि वे राधा के मुख पर खीरी रंग लगा दें, जिसकी उन्हें इच्छा हो। नटखट श्रीकृष्ण यही कार्य करने वाल पड़े। इन चिरों व अन्य भक्ति आकृतियों में श्रीकृष्ण के इसी कृत्य को जिसमें वे राधा व अन्य गोपियों पर रंग डाल रहे हैं, देख सकते हैं। यह प्रेममयी शारारत शीघ्र ही लोगों में प्रवर्तित हो गई तथा होली की परपरा के रूप में रस्यतित हुई। इसी क्रतु में लोग राधा व कृष्ण के चिरों को सजाकर सड़कों पर घूमते हैं। मधुरा में होली का विशेष महत्व है।

होली और धूधी की कथा

भविष्यत्पुराण में वर्णित है कि सत्यगुण में राजा रघु के राज्य में माली नामक देव्य की पूरी दौड़ा या धूधी थी। उसने शिव की उम्र तपस्या की। शिव ने वर मांगने को कहा तो उसने वर मांगा- धूधु। देवता, देव्य, मनुष्य आदि धूधु मारने सके तथा अरत्र-शरस्त्र आदि से भी मोरा वध न हो। साथ ही दिन में, राजि, में शीतकाल में, उष्णकाल तथा वर्षाकाल में, भीतर-बाहर कहीं भी मुझे किसी से भय न हो। शिव ने तथास्तु कहा तथा यह भी बेलवनी ही कि तुम्हें उम्रत बालकों से भय लागा। वही दौड़ा नामक राक्षसी बालकों के प्रजा को पीड़ित करने लगी। 'अडाडा' मंत्र का उच्चारण उसे 'अडाडा' भी कहते हैं। भगवान शिव के अधिष्ठात्र वश वह गुरुमयी बालकों की शरारत, गालियों व चिल्लने के आगे विश्वा थी। ऐसा विश्वास किया जाता है कि होली के दिन ही सभी बालकों ने अपनी एकता के बल पर आगे बढ़कर धूधी को गाल से बाहर धक्कला दिया। वे जोर-जोर से चिल्लते हुए तथा चालाणी से उसकी ओर ढक्के ले गए। यही कारण है कि इस दिन नवद्युतक तुक्क अशिष भाषा में होली मजाक कर लेते हैं, परंतु कोई उनकी बात का दुरा नहीं मानता।

श्री हरि विष्णु - हिरण्यकश्यप कथा

राजा हिरण्यकश्यप आंहारावश स्वयं को ईंचर मानने लगा। उसकी इच्छा थी कि केवल उसी का पूजन किया जाए, लेकिन उसका स्वयं का पुत्र प्रल्लाद भगवान विष्णु का पराम भक्त था। पिता के बहुत समझाने के बाद भी जब पुत्र ने श्री विष्णु जी की पूजा करनी बाद नहीं की, तो हिरण्यकश्यप ने अपने पुत्र को दंड खस्तु उसे आग में जलाने का आदेश दिया। इसके लिए राजा ने अपनी बहन होलिका से कहा कि वह प्रल्लाद को जलती हुई आग में लेकार बैठ जाए, वहीकी होलिका को यह बरदान प्राप्त करते हुए आग में नहीं लगेगी। होलिका प्रल्लाद को लेकर आग में बैठ गई, लेकिन होलिका जल नहीं और प्रल्लाद नारायण कृष्ण से बच गया। यह देख हिरण्यकश्यप अपने पुत्र से और अधिक नाराज हुआ। हिरण्यकश्यप को वरदान था कि वह न दिन में मर सकता है और न आकाश या पाताल में, न मनुष्य और उन्होंने अपनी तीसरी आंख खोल कर कामदेव की भरम कर दिया। कुछ समय पश्चात भगवान शिव ने माता पार्वती के दर्शन करते हुए संविधित हो इसलिए इस पर्व की सार्वकांत इसी में है कि यही होली के साथ अपनी काम वासनाओं को भरम कर दें और वासनाओं से कूपर उठ कर जीवन व्यतीत करें।

शिव - पार्वती कथा

पीराणिक कथा के अनुसार प्राचीन समय की बात है कि हिमालय पुरी पार्वती की यह मनोइक्का थी, कि उनका विवाह केवल भगवान शिव से हो। सभी देवाएँ भी यही बहुते थे, परंतु श्री भोते नाथ थे कि सदैव गहरी समाधी में लीन रहते थे, ऐसे में माता पार्वती के लिए भगवान शिव के सामने अपने विवाह का प्रस्ताव रखना कठिन हो रहा था। इस कार्य में देवताओं ने कामदेव का सहायोग मार्ग। कामदेव ने भगवान शकर की तपस्या भगवान करने के लिए प्रेम व्याप्त चलाया, जिसके कालस्वरूप भगवान शिव की तपस्या भगवान हो गई। तपस्या के भगवान ने सिंघारी को देखा तो वह चोला कर दिया। तपस्या के भगवान ने शिव की तपस्या भगवान ने माता पार्वती से विवाह कर दिया। होलिका दहन का पर्व, यहांकि कामदेव के भरम होने से भी संबंधित है इसलिए इस पर्व की सार्वकांत इसी में है कि यही होली के साथ अपनी काम वासनाओं को भरम कर दें और वासनाओं से कूपर उठ कर जीवन व्यतीत करें।

नारद - युधिष्ठिर कथा

पुराणों के अनुसार श्री नारदजी ने एक दिन युधिष्ठिर से यह निवेदन किया कि है राजन! पाल्यन पूर्णिमा के दिन सभी लोगों को अम्यदान मिलना चाहिए, ताकि सभी कम से कम एक साथ एक दिन तो प्रसाद रहें। इस पर युधिष्ठिर ने कहा कि जो इस दिन हर्ष और सुखियों के साथ यह पर्व मनाएगा, उसके पाप भ्राता नाश होगा। उस दिन से पूर्णिमा के दिन हसना-होली खेलना आशयक समझा जाता है।

हरि हर को झुले में झुलाने की प्रथा

होली से जुड़ी एक अन्य कथा के अनुसार फाल्गुन पूर्णिमा के दिन जो लोग विवाह कर भगवान विष्णु को झुले में बिटाकर, झुले हुए विष्णु जी के दर्शन करते हैं, उन्हें पूण्य त्यज्युष की प्रसिद्ध होती है।

राशि अनुसार खेलें रंग जीवन में लाएं खुशी के पल

होली रंगों का त्योहार है और रंग ग्रेम के परिवार कहते हैं। इन प्यार मोहब्बत के रंगों को वही व्यक्ति स्वीकार करता है जिनके मन में अनुराग और अपनत्व की भावना होती है। अपनी राशि के अनुसार इस का दर्शन कर भविष्य की पवित्र, सुखद, शाश्वत, पापरहित और प्रेममयी होली के रंग अपने जीवन में लाने का संकल्प करें और सुनहरे भविष्य की उज्ज्वल कामना करें।

- मेष : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूर्हत में उड़कर होली की पूजा करने के उपरांत भवित्व जाकर शिवालय के दर्शन करें तथा तपस्या करने के लिए रोंगों में रंगने के लिए लाल गुलाब का रंग लगाएं।
- वृषभ : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूर्हत में उड़कर होली पूजन के उपरांत भगवान सूर्य भगवान का पूजन करें तथा तपस्या करने के लिए लाल गुलाब रंग का प्रयोग करें।
- मिथुन : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूर्हत में उड़कर होली पूजन के उपरांत भगवान गणपति के दर्शन करें तथा तपस्या करने के लिए रोंगों में रंगने के लिए देसू रंग का प्रयोग करें।
- कर्त्तव्य : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूर्हत में उड़कर होली पूजन के उपरांत भगवान दत्तत्रेव (गुरु महाराज) का पूजन करें तथा तपस्या करने के लिए रोंगों में रंगने के लिए देसू रंग का प्रयोग करें।
- तुला : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूर्हत में उड़कर होली पूजन के उपरांत भगवान गणपति के दर्शन करें तथा तपस्या करने के लिए देसू रंग का प्रयोग करें।
- मकर : इस राशि के व्यक्ति ब्रह्ममूर्हत में उड़कर होली पूजन के उपरांत भगवान गणपति के द

सभी देशवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं



BHAGWATI PUBLIC SCHOOL

P. Nur. to VIIth
English Medium

X - XII Open / Patrachar
J.B.T. / B.ed. / Delad / LLB / D. PHARMA

Distance Education

Tuition Classes
IX - X - Math, Science, English
XI - XII - History, Pol. Science,
Geo, Eco.
B.A., B.ed., J.B.T., M.A.



KAUSHAL SHARMA

Chopal Wali Gali, Shalimar Village, Delhi-110088, Mobile 9313048214

सभी देशवासियों को
होली की हार्दिक
शुभकामनाएं



आश्रियाना बिल्डर्स एंड डेवलपर्स



रणवीर सिंह

गोन बस स्टेंड लानपुर गांव, नरेला दिल्ली-40

सभी देशवासियों को

होली की
हार्दिक शुभकामनाएं
अद्याप आर्य

संस्थापक एवं राष्ट्रीय महामंत्री
जग कल्याण जन उत्थान परिषद (रंजि.)

सभी देशवासियों को

होली की हार्दिक
शुभकामनाएं
Notan Dass Arora

(M): 9868365678 9540949722

President: Nav Chetna Sanghthan (Regd.)
VBDD Charitable Trust (Regd.)
National Vice President: Akhil Bhartiya
Bahawalpur Mahasangh
Chief Secretary: Sri Bahawalpur Panchyat (Regd.)
Org. Secretary: Bahawalpur Samaj Delhi (Regd.)
Gen. Secretary: Narela Vikas Sanghthan (Regd.)
Punjabi Sabhyachar Ekta Manch (Regd.)
Trustee: Sri Guru Nanak Dev Sanjhi Virasat
Charitable Trust (Regd.)

सभी देशवासियों को
होली की
हार्दिक शुभकामनाएं

विजय मंगत अंकु
अध्यक्ष: विजयपथ फाउंडेशन (रंजि.)
छठ पूजा घाट चौ. रामदेव चौक नरेला
Mob. 9210151000